

Identified by
Dishwan Singh
Tehsil
मे कि भी माता सागरा देवी विधान भी माता सागरा देवी कर्मचारी कागडा।
गडेजी वर, विधान की है

जो कि मेरी आयु इस समय लगभग 55 साल की हो चुकी है
इस छिटाई कापाइका का कोई प्रयोग नहीं किया गया है
किस जगह मान का कुठारा आ जेड, क्या कि नु औरा संक
आण से किता रहती है। मं ला कन्द है। मी सेका भी
उत्तर सिंह कि सुव सिंह क भी ककु वर उर भी कहाइ सिंह
कदी-काकाडा गडेजी वर, विधान जो कि मेरी पत्नी के नाम
है कोते है। मे अपनी आयदाद की कसीयत करण-पारती है।
अतः मुजहिदा कसेहत सकार क संकाले अकल लिख कहुए
रकमला उर किता किती पकाड क सहकोड के कसीयत
पारती आ कसीयत करती आ। मिरा देवी है कि सफ कला
मे मेरी किलरु आयदाद सकार क उर सकारु है
किता जहा कदी प मी है य, आउर, सेगी के नामिका
भी किलरु सिंह उर भी सुव सिंह क भी ककु वर उर
भी कहाइ सिंह कदी-काकाडा गडेजी वर, विधान कहेला
कराक लेगे। मेगा किती शरु के मेरी आयदाद
सम्यु किता से कोई किता न लेगा। कि कोई
शरु देकना लेगा मे नह मूहा लेगा। कि आनका
मे मेरा देन का लेगा। सानुकरगा सकारु की मे किता
लेन देन के उरि क लेगे। कि कद नला किलरु सिंह

माता सागरा देवी क



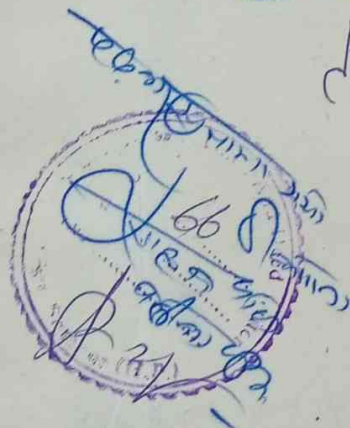
No 517618

Himachal Government Judicial Paper

व्यक्ति - एन.डी.एस. कोठे के दाकड़ लोग, कल्याण
 एका का नमाज गौ गौते के सद लोग) और
 यह दाकड़ किल्लात करीक कल्याण का के बरत
 लखी का दिश कि काय प) का अ) दि 5.2.90.

जाए
 श्री हरि पत उ) श्री कल्याण भीतार समुदाय
 कादी गमलदी नः
 वही

जाए
 श्री हरि पत उ) श्री
 कल्याण विद नया
 काय प) काय वरत
 5/2/90



[Handwritten signature]